इकाई-III

9. ग्राम श्री

रचनाकार

सुमित्रानंदन पंत का जन्म उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले के कौसानी गाँव में सन् 1900 में हुआ। उनकी शिक्षा बनारस और इलाहाबाद में हुई। आज़ादी के आंदोलन के दौरान महात्मा गांधी के आह्वान पर उन्होंने कालेज छोड़ दिया। छायावादी कविता के प्रमुख स्तंभ रहे सुमित्रानंदन पंत का काव्य-क्षितिज 1916 से 1977 तक फैला है। सन् 1977 में उनका देहावसान हो गया।

वे अपनी जीवन दृष्टि के विभिन्न चरणों में छायावाद, प्रगतिवाद एवं अरविंद दर्शन से प्रभावित हुए। वीणा, ग्रंथि, गुंजन, ग्राम्या, पल्लव, युगांत, स्वर्ण किरण, स्वर्णधूलि, कला और बूढ़ा चाँद, लोकायतन, चिदंबरा आदि उनकी प्रमुख काव्य-कृतियाँ हैं। उन्हें साहित्य अकादमी, भारतीय ज्ञानपीठ एवं सोवियत लैंड नेहरू पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पंत की कविता में प्रकृति और मनुष्य के अंतरंग संबंधों की पहचान है। उन्होंने आधुनिक हिंदी कविता को एक नवीन अभिव्यंजना पद्धति एवं काव्यभाषा से समृद्ध किया। भावों की अभिव्यक्ति के लिए सटीक शब्दों के चयन के कारण उन्हें शब्द शिल्पी कवि कहा जाता है।

प्रस्तावना प्रसंग

ओ शहर की भीड़ अब मुझे क्षमा दो,
लौटकर मैं गाँव जाना चाहता हूँ।
गाँव की वह धूल जो भूली नहीं है,
फिर उसे माथे लगाना चाहता हूँ।
– राम अवतार त्यागी

प्रश्न

1. आजकल शहर की ज़िंदगी कैसी है?
2. गाँव और शहर के रहन-सहन में क्या अंतर है?
3. कवि गाँव की धूल माथे पर क्यों लगाना चाहता है?

भूमिका

ग्राम श्री कविता में पंत ने गाँव की प्राकृतिक सुषमा और समृद्धि का मनोहारी वर्णन किया है। खेतों में दूर तक फैली लहलहाती फसलें, फल-फूलों से लदी पेड़ों की डालियाँ और गंगा की सुंदर रेती कवि को रोमांचित करती है। उसी रोमांच की अभिव्यक्ति है यह कविता।

SCERT TELANGANA

फैली खेतों में दूर तलक
मखमल की कोमल हरियाली,
लिपटीं जिससे रवि की किरणें
चाँदी की सी उजली जाली!
तिनकों के हरे हरे तन पर
हिल हरित रुधिर है रहा झलक,
श्यामल भू तल पर झुका हुआ
नभ का चिर निर्मल नील फलक!

रोमांचित सी लगती वसुधा
आई जौ गेहूँ में बाली,
अरहर सनई की सोने की
किंकिणियाँ हैं शोभाशाली!
उड़ती भीनी तैलाक्त गंध
फूली सरसों पीली पीली,
लो, हरित धरा से झाँक रही
नीलम की कलि, तीसी नीली!
रंग रंग के फूलों में रिलमिल
हँस रही सखियाँ मटर खड़ी
मखमली पेटियों सी लटकीं
छीमियाँ, छिपाए बीज लड़ी!
फिरती है रंग रंग की तितली
रंग रंग के फूलों पर सुंदर,
फूले फिरते हैं फूल स्वयं
उड़ उड़ वृंतों से वृंतों पर!

अब रजत स्वर्ण मंजरियों से
लद गई आम्र तरु की डाली,
झर रहे ढाक, पीपल के दल,
हो उठी कोकिला मतवाली!

SCERT TELANGANA

महके कटहल, मुकुलित जामुन,
जंगल में झरबेरी झूली,
फूले आड़ू, नींबू, दाड़िम,
आलू, गोभी, बैंगन, मूली!
पीले मीठे अमरूदों में
अब लाल लाल चित्तियाँ पड़ी,
पक गए सुनहले मधुर बेर,
अँवली से तरु की डाल जड़ी!
लहलह पालक, महमह धनिया,
लौकी औ' सेम फलीं, फैलीं
मखमली टमाटर हुए लाल,
मिरचों की बड़ी हरी थैली!

बालू के साँपों से अंकित
गंगा की सतरंगी रेती
सुंदर लगती सरपत छाई
तट पर तरबूज़ों की खेती
अँगुली की कंघी से बगुले
कलँगी सँवारते हैं कोई,
तिरते जल में सुरखाब, पुलिन पर
मगरौठी रहती सोई!

हँसमुख हरियाली हिम-आतप
सुख से अलसाए-से सोए,
भीगी अँधियाली में निशि की
तारक स्वप्नों में-से खोए-
मरकत डिब्बे सा खुला ग्राम-
जिस पर नीलम नभ आच्छादन-
निरुपम हिमांत में स्निग्ध शांत
निज शोभा से हरता जन मन!

SCERT TELANGANA

प्रश्न–अभ्यास

अर्थग्राह्यता–प्रतिक्रिया

❖ विचार–विमर्श

1. अपने द्वारा की गयी किसी यात्रा के बारे में बताइए।
2. शहरों के पर्यावरण में प्रदूषण की मात्रा काफ़ी बढ़ चुकी है। गाँव और शहर के पर्यावरण की तुलना करते हुए चर्चा कीजिए।

❖ पढ़ना, भाव समझना और भाव विस्तार

क. पाठ में उत्तर ढूँढ़िए।

1. हरियाली की कौन–कौन सी विशेषताएँ बतायी गयी हैं?
2. गाँव की कौनसी शोभा जन–मन को हर रही हैं?
3. निम्नलिखित भाव प्रकट करनेवाली कविता की पंक्तियाँ लिखिए।
   क. हरियाली की विशेषता
   ख. फलों–तरकारियों के खेतों का वर्णन
4. वसंत ऋतु में प्रकृति के बदलाव को दर्शानेवाली पंक्तियाँ रेखांकित कीजिए।

ख. पाठ समझकर उत्तर दीजिए।

1. कवि ने गाँव को 'जन-मन को हरने वाला' क्यों कहा है?
2. गाँव की तुलना मरकत डिब्बे से क्यों की गई?
3. आशय स्पष्ट कीजिए।
   क. हिल हरित रुधिर है रहा झलक
   ख. बालू के साँपों से अंकित
   गंगा की सतरंगी रेती
   ग. हँसमुख हरियाली हिम आतप
   सुख से अलसाए सोए
4. कविता में किस मौसम के सौंदर्य का वर्णन है? उदाहरण सहित बताइए।
5. अरहर और सनई के खेत कवि को कैसे दिखायी देते हैं?

ग. पढ़ने की योग्यता का विस्तार

कविता पढ़कर निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

सोने का संसार।
उषा छिप गई नभस्थली में, देकर यह उपहार।

SCERT TELANGANA

लघु-लघु कलियाँ भी प्रभात में, होती हैं साकार।
प्रात: समीरण कर देता है, नवजीवन संचार।
लोल-लोल लहलही लताएँ, स्वर्णमयी सुकुमार।
झुकी जा रही हैं ले तन में, नव यौवन का भार।
भ्रमर छूटकर पंकज दल से, करने लगे विहार।

-गोपाल शरण सिंह

1. **हमें प्रात: समय सोने का संसार कौन देता है?**

क. रात ख. संध्या ग. उषा घ. सूर्य

2. **'प्रात: समीरण' क्या करता है?**

क. नये जीवन का संचार करता है। ख. ज्ञानोदय करता है।
ग. सुख देता है। घ. रात का स्मरण कराता है।

3. **लताएँ क्यों झुक जाती हैं?**

क. नवयौवन के भार से ख. हवाओं के चलने से
ग. विनम्रता से घ. फल-फूलों के भार से

4. **उषाकाल में भ्रमर क्या कर रहा है?**

क. नवजीवन संचार ख. मंजुल वंदनवार
ग. विहार घ. गीतों का गायन

अभिव्यक्ति और सृजनात्मकता

❖ स्वाभिव्यक्ति

क. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर चार-पाँच वाक्यों में लिखिए।

1. आपको कौन सी ऋतु पसंद है? क्यों?
2. इस कविता में जिस गाँव का चित्रण हुआ है, वह भारत के किस क्षेत्र से संबंधित हो सकता है? अपने उत्तर का कारण बताइए।
3. कुछ लोग खुले प्राकृतिक वातावरण में काम करते हैं, तो कुछ वातानुकूलित कार्यालयों में। आप अपने भावी जीवन में कहाँ काम करना पसंद करेंगे? कारण सहित बताइए।
4. क्या नदियों, झीलों, फूलों आदि प्राकृतिक तत्वों को देखकर कभी आपका मन उल्लसित हुआ है? क्या सबको आप जैसी ही अनुभूति होती होगी? अपने विचार लिखिए।

ख. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर आठ-दस वाक्यों में लिखिए।

1. भाव और भाषा की दृष्टि से आपको यह कविता कैसी लगी? उसे अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।

SCERT TELANGANA

2. पंतजी प्रकृति वर्णन के बेजोड़ कवि माने जाते हैं। कविता के आधार पर इसकी पुष्टि कीजिए।

❖ सृजनात्मक कार्य

आप जहाँ रहते हैं उस इलाके के किसी मौसम विशेष के सौंदर्य का कविता या गद्य में वर्णन कीजिए।

❖ प्रशंसा

भारत गाँवों का देश है। जनगणना-2011 के अनुसार लगभग सत्तर प्रतिशत लोग गाँवों में रहते हैं। गाँव का वातावरण स्वच्छ एवं सुंदर होता है। फिर भी आज लोग गाँव छोड़कर शहर में बसना चाहते हैं। जो देश के लिए समस्या बनती जा रही है। इसकी रोकथाम के लिए अपने विचार व्यक्त कीजिए।

भाषा की बात

1. पाठ से ढूँढ़कर लिखिए।

   यह + के = इसके

   यह + की = इसकी

2. इस कविता पाठ में **हिमांत** शब्द मूलतः हिम + अंत से मिलकर बना है। इसी प्रकार निर्मल निः + मल से बना है। दो निर्दिष्ट अक्षरों के पास आने के कारण इनके मेल से जो विकार होता है उसे संधि कहते हैं। संधि से बने शब्दों के पाँच उदाहरण दीजिए।

परियोजना कार्य

ग्रामीण उत्थान के लिए कार्य करनेवाले किसी एक समाजसेवी के बारे में जानकारी प्राप्त करके लिखिए।

SCERT TELANGANA